बिहार विधान परिषद

(बिहार विधान परिषद् का 194वां बजट सत्र)

Short Notice Questions For Written Answers

06 मार्च 2020

[शिक्षा - खान एवं भूतत्व - कला, संस्कृति एवं युवा विज्ञान एवं प्रावैधिकी].

Total Short Notice Question- 9

ई.पी.एफ. का लाभ

*84 **प्रो. नवल किशोर यादव (शिक्षक पटना):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि राज्य में करीब 3 लाख 67 हजार नियोजित शिक्षक हैं, जिन्हें ई.पी.एफ. का लाभ नहीं मिल रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि माननीय उच्च न्यायालय, पटना ने राज्य में कार्यरत नियोजित शिक्षकों और पुस्तकालय कर्मियों को कर्मचारी भविष्य निधि (ई.पी.एफ.) का लाभ देने के लिए मुख्य सचिव एवं शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव को कार्रवाई करने का आदेश दिया है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार यह बतलायेगी कि सूबे में कार्यरत नियोजित शिक्षकों एवं पुस्तकालय कर्मियों को कबतक ई.पी.एफ. का लाभ देने का विचार रखती है, यदि नहीं तो क्यों?

अनियमितताओं की जांच

*85 **डा. संजीव कुमार सिंह (कोशी शिक्षक):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि राज्य के विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षकों एवं कर्मियों के वेतन सत्यापन हेतु सरकार द्वारा 'वेतन सत्यापन कोषांग' गठित है जिन्हें संबंधित शिक्षकों एवं कर्मियों का विश्वविद्यालय के वेतन निर्धारण समिति द्वारा मान्य निर्धारण के आलोक में वेतन सत्यापन पत्र निर्गत करना होता है;

(ख) क्या यह भी सही है कि वेतन सत्यापन कोषांग द्वारा उक्त संबंधितों के क्रमवार उपलब्ध आवेदनों को निष्पादित नहीं कर नाजायज उगाही अथवा विशेष लाभ के उद्देश्य से मनमाने रूप में वेतन सत्यापन पत्र निर्गत किया जा रहा है, जबकि विश्वविद्यालय द्वारा किये गये वेतन निर्धारण के आलोक में ही ऐसा प्रावधानित किया जाना है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार माननीय उच्च न्यायालय के पारित आदेश तथा अवमाननावाद के पश्चात् भी वर्षों से कई एक शिक्षकों का सत्यापन पत्र निर्गत नहीं करने के साथ-साथ समरूप मामले को भी जानबूझकर लंबित रखने वाले प्रभारी पदाधिकारी एवं अंकेक्षकों द्वारा व्यापक पैमाने पर की जा रही अनियमितताओं की जांच कराना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

नियमित शिक्षकों की नियुक्तियां

*86 **Mr. Kedar Nath Pandey (Saran Teacher):**

Will the **Education** be pleased to state क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि- (क) क्या यह सही है कि राज्य की 2950 पंचायतों में एक मध्य विद्यालय को उत्क्रमित करके माध्यमिक विद्यालय में तब्दील करने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है; (ख) क्या यह सही है कि जिन मध्य विद्यालयों को माध्यमिक विद्यालय में उत्क्रमित किया जा रहा है वहां माध्यमिक कक्षाओं को पढ़ाने वाले अध्यापक की व्यवस्था नहीं है और इस प्रकार माध्यमिक विद्यालय में उत्क्रमित करने से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ नहीं हो पायेगी; (ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार ऐसे उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालयों में नियमित शिक्षकों की नियुक्तियां कबतक करना चाहती हैं?

महाविद्यालय खोलने का विचार

*87 **डा. वीरेन्द्र नारायण यादव (स्नातक सारण):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि गोपालगंज जिलान्तर्गत कटया प्रखंड में एक भी कॉलेज

नहीं है, जिससे छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए भटकना पड़ता है;

(ख) क्या यह सही है कि महाविद्यालय के अभाव में कटया प्रखंड निवासी छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए 60 कि.मी. दूरी तय कर गोपालगंज जाना पड़ता है या उन्हें उत्तर प्रदेश के कॉलेजों में दाखिला लेने के लिए विवश होना पड़ता है, जिससे अधिकांश छात्राएं बीच में ही अपनी पढ़ाई छोड़ देती हैं;

यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त स्थिति में छात्र-छात्राओं के उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु कटया प्रखंड में महाविद्यालय खोलने या स्थापना करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

कार्यक्रमों का बकाया मेहनताना

***88 श्री कृष्ण कुमार सिंह (विधान सभा):**

Will the **कला, संस्कृति एवं युवा** be pleased to state:-
क्या मंत्री, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि -

(क) क्या यह सही है कि विभाग के संस्कृति निदेशालय (डिपार्टमेंट ऑफ कल्चर) से मिले कार्यक्रमों के एवज में अपना मेहनताना पाने को राज्य भर के कलाकर इंतजार में हैं;

(ख) क्या यह सही है कि दो दर्जन महोत्सवों का मानदेय लगभग पांच सालों से कलाकारों को नहीं मिला है और मजदूरी पाने के लिए कलाकार विभाग का चक्कर लगाते देखे जा रहे हैं;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उतर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार राज्य के सभी कलाकारों को उक्त कार्यक्रमों का बकाया मेहनताना दिलाना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

वेतनादि का भुगतान

***89 प्रो. संजय कुमार सिंह (तिरहुत शिक्षक):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-
क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि राज्य के उत्क्रमित विद्यालयों में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षक अभियान के तहत नियुक्त लगभग 3400 शिक्षकों को केन्द्र सरकार के केन्द्रांश मद की राशि नहीं दिये जाने के कारण उन्हें समय पर वेतन का भुगतान नहीं हो रहा है;

(ख) क्या यह सही है कि खंड 'क' में वर्णित शिक्षकों एवं सरकारी विद्यालयों में कार्यरत नियोजित शिक्षकों की सेवा में समानता है;

(ग) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार सरकारी विद्यालयों में कार्यरत नियोजित शिक्षकों की कोटि उनकी सेवा को समायोजित करते हुए उन्हें नियमिति रूप से वेतनादि का भुगतान करने का विचार रखती है, यदि हां तो कबतक?

प्राथमिकी दर्ज कराने हेतु कार्रवाई

*90 **श्री सतीश कुमार (विधान सभा):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति पटना के ज्ञापांक 3003, दिनांक 22.02.2017 के आलोक में दिनांक 17.03.2017 को समिति की बैठक में क्रम सं.-4 में निर्णय लिया गया था और कर्पूरी ठाकुर इंटर महाविद्यालय, सिंधिया हिवन मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण का सत्र 2009-11 का अनुदान तत्काल निर्गत नहीं करने की अनुशंसा की गई थी क्योंकि प्राचार्य गोपाल प्रसाद को जिला शिक्षा पदाधिकारी की जांचोपरांत गबन का दोषी पाया गया था;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या जिला पदाधिकारी, पूर्वी चम्पारण को दी गयी जांच रिपोर्ट में गबन के आरोप से उन्हें मुक्त किया गया है, अगर नहीं तो दोषी प्राचार्य द्वारा अवैध ढंग से अनुदान की सरकारी राशि का वितरण किए जाने के आधार पर उन पर प्राथमिकी दर्ज कराने हेतु सरकार कार्रवाई करना चाहती है, यदि हां तो कबतक, नहीं तो क्यों?

पेयजल की उपलब्धता

*91 **श्री दिलीप राय (सीतामढी स्थानीय प्राधिकार):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि राज्य के विद्यालयों एवं अन्य शिक्षण संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण पेयजल की आपूर्ति नहीं होने के कारण पठन-पाठन के साथ छात्रों पर विपरीत असर पड़ रहा है;

(ख) यदि उपर्युक्त खंड 'क' का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार सभी सरकारी शिक्षण संस्थानों में शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित

करना चाहती है, यदि हां तो कबतक?

मैथिली को स्थान

*92 **श्री प्रेम चन्द्र मिश्रा (विधान सभा):**

Will the **शिक्षा** be pleased to state:-

क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि-

(क) क्या यह सही है कि राज्य के करोड़ों लोगों की मातृभाषा और बोलचाल की भाषा मैथिली संविधान की अष्टम अनुसूची में शामिल है;

(ख) क्या यह सही है कि विगत 15 वर्षों से मैथिली भाषा को पढ़ाने वाले शिक्षकों की नुयिक्ति नहीं की गई है;

(ग) क्या यह सही है कि स्कूली शिक्षा हेतु मैथिली भाषा की पुस्तकों का छपाई कार्य विगत एक दशक से बिहार सरकार ने बंद करा रखा है;

(घ) क्या यह सही है कि संविधान की अष्टम अनुसूची में शामिल रहने के बावजूद बिहार की स्कूली शिक्षा में अनिवार्य विषय के रूप में मैथिली को स्थान नहीं दिया गया है;

(ङ) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार यह बतलाने की कृपा करेंगे कि ऐसा क्यों है?